Treasure Hunt
Challenge
ख़ज़ाने की खोज

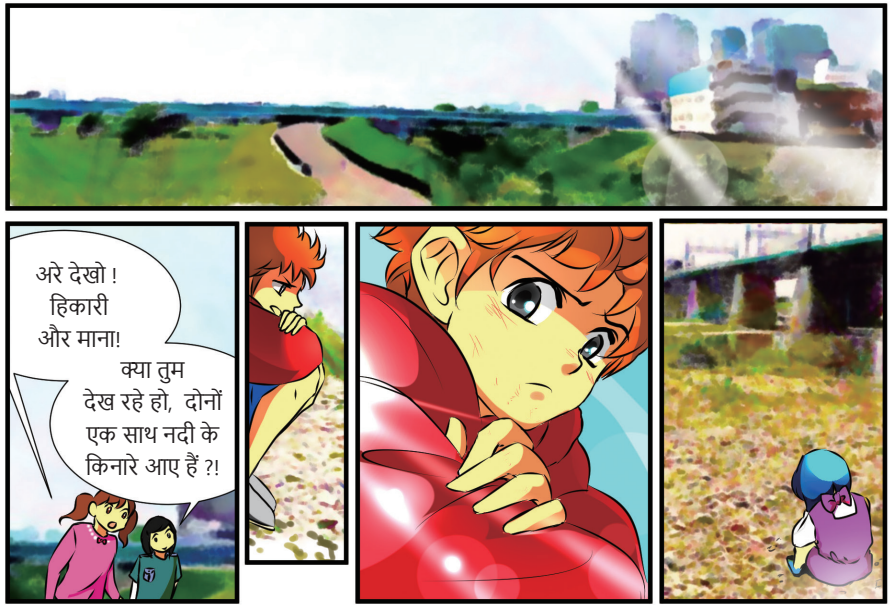
अरे देखो !
हिकारी
और माना!
क्या तुम
देख रहे हो, दोनों
एक साथ नदी के
किनारे आए हैं ?!

माना,
क्या तुम
ठीक हो ?
ओह हिकारी,
मैं ने अपनी बिल्ली,
मोमो, खो दी है ।
मैं मदद करूंगा !
चलो उसे ढूंढते हैं !
काश.....

जोर से आवाज़
टक्कर!
अरे देखो, वो मर गई।

अरे....
कितनी बुरी दुनिया है !
हिकारी, क्या तुम ठीक हो ?
योशी की बात है, उसे फिर सता रहे थे....
बार बार उसे निशान बना रहे थे।
मेरा चश्मा मुझे लौटा दो !
लौटा दो !

योशी बिना चश्मा कुछ भी नहीं कर सकता, चल भी नहीं सकता।

बिना चश्मा मैं देख नहीं सकता!

और उन गंदे बच्चों ने उसे छीन लिया ।

मुझे मदद करना पड़ा ....

तुम अपने आप को क्या समझते हो ?

उसे छोड दो !

लौटा दो !

अरे हिकारी, क्या तुम ठीक हो ?

नहीं, मैं उसकी मदद नहीं कर सका।

गंदे बच्चों ने उसका चश्मा ऊंची घास मैं फेक दिया और बहुत समय तक ढूंडना पड़ा।

जब मिला तो फ्रेम टूटा था !

मैं उन से नफ़रत करता हूं !

बार बार क्यों मासूमो के साथ ऐसा होता है!

मैं उन को बहुत मारना चाहता हूं !
मैं इतना शक्तिमान बनना चाहता हूं कि उन सबको ख़ूब मारूं !
क्या तुम भी कुछ ऐसा चाहती हो, माना ? सबसे ज्यादा ?
जब मोमो मर गई ,
हमने उसे नदी किनारे दफना दिया। उस रात मैं लंबे समय तक सोचती रही....
जब कोई मर जाता है तो क्या होता है और मुझे बुरे सपने भी आए।
क्यों कि मुझे इस के बारे में मालूम नहीं है इसलिए मैं थोड़ी सी डर भी गई ....

मुझे यही सबसे ज्यादा चाहिये, मुझे जवाब चाहिए। मरने के बाद मैं कहां जाऊंगी?
ओह हो ,अच्छा...
तुम्हें भी जवाब चाहिए , और मुझे भी।
अच्छा चलो, तुम और मैं जवाब के लिए एक खोज का खेल खेलते हैं !
मतलब, तुम खोजोगे की शक्तिमान कैसे बनते हैं।
और तुम खोजो की मरने के बाद क्या होता है।

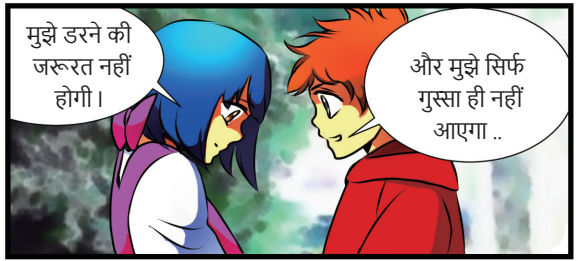
मुझे डरने की जरूरत नहीं होगी।
और मुझे सिर्फ गुस्सा ही नहीं आएगा ..

उसी हफ़्ते में.....

हा हा,
मैं उन्हे फाड़ कर रख दूंगा !

हमारे पास एक हफ्ता है। उसके बाद हम मिलेंगे और एक दूसरे को अपना जवाब बताएंगे।
ठीक है।

क्या मुझे अपना जवाब मिलेगा....
अरे, किट्टी, किट्टी

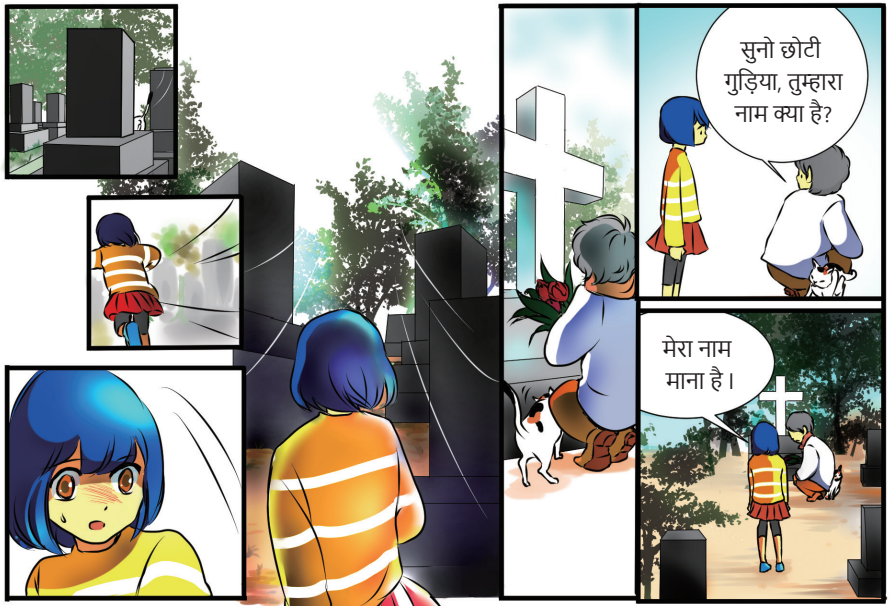
सुनो छोटी गुड़िया, तुम्हारा नाम क्या है?
मेरा नाम माना है।

क्या तुम यहां हर वक्त आती हो?
नहीं, कभी नहीं! मुझे शमशान पसंद नहीं।
हां, अगर तुम नहीं जानती हो, तो डर जरूर लगेगा।
इनहे, येशु को।
क्या नहीं जानती हूं?
आप का मतलब वो येशु , जिन्का जन्म क्रिसमस के दिन हुआ था?
बिल्कुल ठीक। तुम कितनी होशियार बच्ची हो !
मैं समझ गई। तुम श्मशान से डरती हो क्यूं कि ये तुम्हे याद दिलाता है की हम सब को एक दिन मरना है, है ना?

हां, मुझे मौत से डर लगता है।
अच्छा, तो ये बात है।
क्या मैं तुम्हें एक कहानी सुनाऊं, येशु ने मौत के साथ क्या किया?
तुम्हारे जैसे ही एक छोटी बच्ची थी।
वो बहुत ही बीमार थी।
इतनी बुरी तरह बीमर थी कि उसके पिता एक यात्री के पास भाग कर गए , जिन्के बारे में उसने सुना था की वो हर बीमरी ठीक करते हैं।
वो यात्री येशु थे।

लेकिन येशु को अपने घर लाने से पहले ही
लोगों ने पिता को बताया की बहुत देर हो चुका है, और बच्ची मर गई है।
बस विश्वास करो।
चिंता मत करो ,
येशु ने पिता से यही कहा।

घर पहुँचने के बाद, येशु बच्ची के पिता और माता
और कुछ शिष्य के साथ बच्ची के कमरे के अंदर गए।
छोटी बच्ची, उठ जाओ।
तुरंत वो छोटी बच्ची उठ गई और इधर उधर कमरे में चलने लगी !

अब बताओ माना, येशु से मिलने के बाद क्या वो बच्ची कभी भी मरने से डर सकती है?

वो बिलकुल पहले जैसी नहीं हो सकती।

एक हफ्ता हो गया और मुझे कोई जवाब नहीं मिला।

स्कूल में एक लड़का मिला जो अच्छा मुक्काबाज़ी करता है।

मैं भी उस जैसा बनना चाहता था ...

लेकिन जब उसने कुछ बुरे लड़कों को मारा जो लड़कियों को छेड़ रहे थे.....

पुलिस ने आ कर उल्टा उसे दोशी कहा और गिरफ़्तार करके ले गई !

मुझे बिलकुल यकीन नहीं हुआ

मैं बहुत ही ज्यादा शक्ति वाले इंसान से मिली। मृत्यु से भी जादा शक्तिमान।

अरे ?!

उनका नाम येशु है। वही येशु जिन्का जन्म क्रिसमस के दिन हुआ था।

मुझे एक दादी मिली जो उनके बारे में जानती थी और उन्होनें कहा कि....

क्या कहा!?

येशु ने बिमार लोगों को ठीक किया.... मरे हुए लोगों को जिंदा कर दिया...

तूफान पर, पिशाचों और दूसरे बहुत खतरनाक चीज़ो पर उनका अधिकार था।

मैं और जानना चाहती हूं।

और तुम भी येशु के बारे में और ज्यादा जानने की कोषिश क्यों नहीं करते ?

तो तुम्हें अब डर नहीं लगता?

नहीं, आश्रय की बात है की मैं बहुत उत्साहित हूं !

अच्छा, येशु .... ठीक है

चलो, मैं भी इसके बारे में खोजूँगा ....

अगर तुम प्रथम बनना चाहते हो, तो पहले सबका सेवक बनो।
अरे, ये तो येशु हैं!
हां, इस छोटे से बच्चे की तरह। राज्य में सबसे छोटा ही सबसे बड़ा पाया जाएगा।
बच्चों की तरह बनो, पहले अपना अभिमान हटाओ।
हा
हा
येशु ने मेरा अंधापन ठीक कर दिया!
ये कैसे हुआ....?!
अरे, तुम वही अंधे हो ना?!
स्वर्ग में मेरे पिता काम कर रहे हैं...
और मैं केवल वही करता हूं जो वह चाहते हैं।
उफ़्फ़
क्या तुम कहते हो भगवान तुम्हारे अपने पिता हैं?!!
यह भगवान होने का दावा करने जैसा है! हम बर्दाश्त नहीं करेंगे !!
आ ह
मेरे पिता जी
आआह
इनहे माफ कर दिजिये, ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं।
हा हा, अब अपने आप को देखो!
तुम मसीहा हो? अपने आप को पहले बचाओ!
तुम्हे भी वो मिल गए ना?
उन्होंनें सिर्फ अच्छा ही किया।
उन्होंनें केवल लोगों की मदद की, और लोगो ने उन्हे सूली पर चढ़ा दिया।
लेकिन फिर येशु ने ऐसा चमत्कार किया।

तीन दिनों तक मृत रहने के बाद, वह जीवित हो गए।

भले ही लोगो ने उन्हे मार डाला, फिर भी वे येशु को रोक नहीं सके!

यही सच्ची शक्ति है। वो सबको मार सक्ते थे !

लेकिन इसके बजाय, जब वे सूली पर थे, तो तुम जानती हो उन्होंने क्या किया?

उन्होंने उन सब को माफ कर दिया।

ये बात मेरे दिमाग को चुनौती देता है! मेरे पास मेरा जवाब है, माना। वास्तविक शक्ति का एक ही नाम है; वह येशु है!

तुम में कुछ बदल गया है, हिकारी ...

जब मैं ने पुस्तिका में बाइबल की कहानियाँ पढ़ी तो मुझे लगा कि मुझे प्रार्थना करनी चाहिए।

यह प्रार्थना करने के बाद मुझे लगा कि सब कुछ ठीक है...

मुझे सच में बहुत खुशी मिली !

मैं ने कहा, येशु, मैं गलत हूँ। मुझे माफ कर दिजिये।आप वह सब कुछ हो जो मैं बनना चाहता हूं। कृपया मुझे आप जैसा बनने में मदद करें।

गजब बात है। क्या तुम्हें पता है मैं ने भी बिल्कुल वही किया था!

और न केवल मेरी चिंताएँ दूर हुईं, बल्कि मैं इतनी खुशी हुई कि मैं नाचना चाहती थी।

चलो, नदी के किनारे चलते हैं!

ठीक है

सुनो

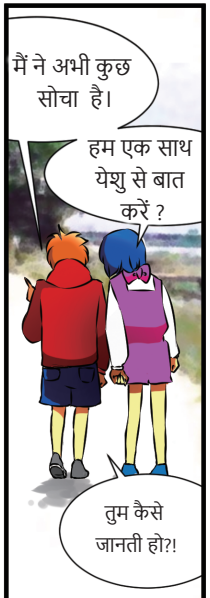
मैं ने अभी कुछ सोचा है।
हम एक साथ येशु से बात करें ?
तुम कैसे जानती हो?!

जरा रुको, यहाँ कोई और है...

अरे हाँ, तुम!
तुम हमारी कहानी सुन रहे हो.....

पर तुम्हारी भी एक कहानी है ना ।
और तुम्हारा मित्र का भी, जिसने तुम्हे यह पुस्तिका दी है।
हम ने एक चुनौती ली
और अब तुम्हारी बारी है!
कहानी में वह सूली याद है?
हमने सीखा है कि उसका हम से बहुत गहरा संबंध है।
हम सब ने ईश्वर से नज़र हटाया है ।
?
और हम ने जो चाहा वह किया।
दूसरे शब्दों में, हमने पाप किया है।

पाप के कारण,
हम सब खतरे में हैं।
जब हम मरते हैं, तो हम
सभी सज़ा के पात्र होते हैं।
इस लिए ईश्वर
एक इंसान बन कर आए;
येशु परिपूर्ण थे और उन्होंनें
कभी कुछ गलत नहीं
किया था,

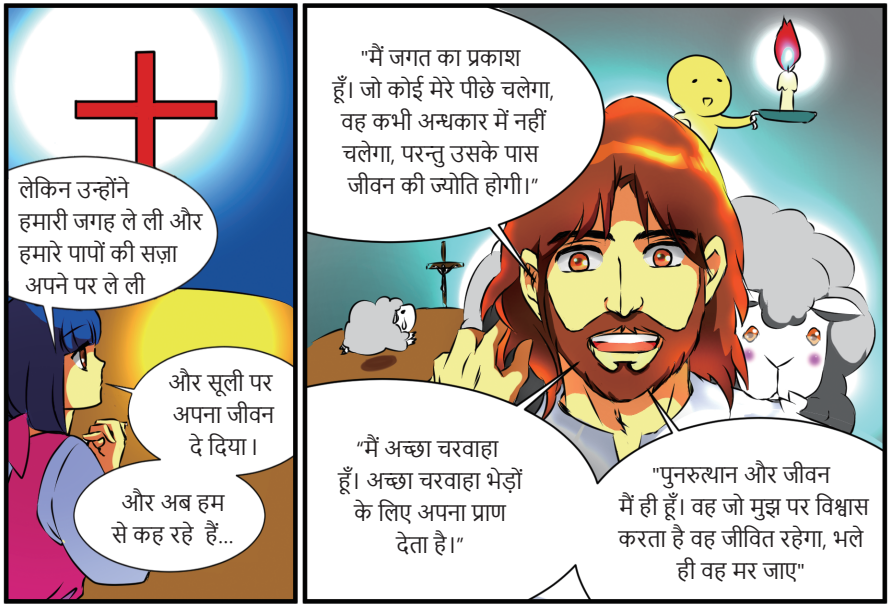
लेकिन उन्होंने
हमारी जगह ले ली और
हमारे पापों की सज़ा
अपने पर ले ली
और सूली पर
अपना जीवन
दे दिया।
और अब हम
से कह रहे हैं...
"मैं जगत का प्रकाश
हूँ। जो कोई मेरे पीछे चलेगा,
वह कभी अन्धकार में नहीं
चलेगा, परन्तु उसके पास
जीवन की ज्योति होगी।"
"मैं अच्छा चरवाहा
हूँ। अच्छा चरवाहा भेड़ों
के लिए अपना प्राण
देता है।"
"पुनरुत्थान और जीवन
मैं ही हूँ। वह जो मुझ पर विश्वास
करता है वह जीवित रहेगा, भले
ही वह मर जाए"

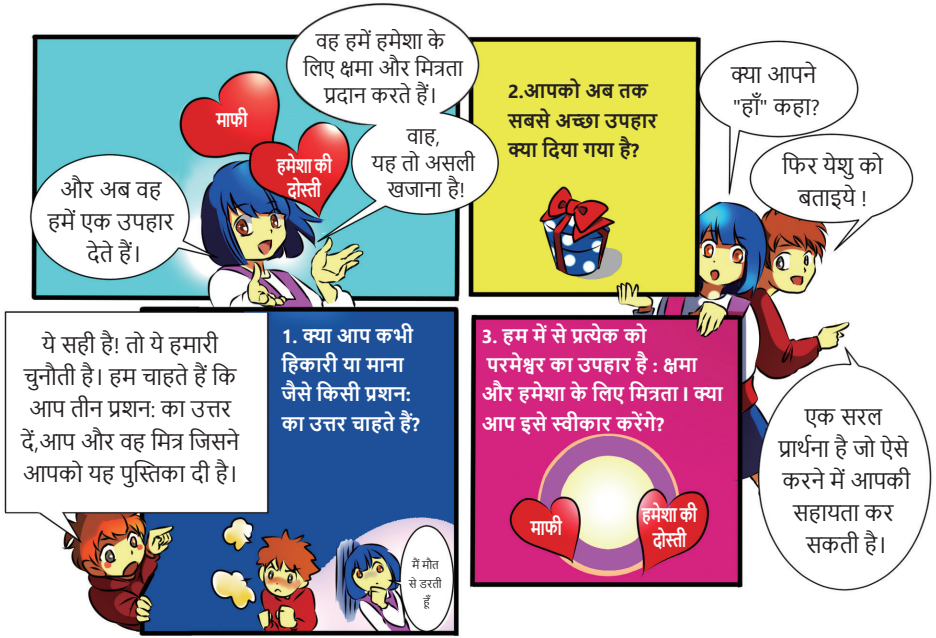

"येशु मसीह, अब तक मैं वास्तव में आपको नहीं जानता था, लेकिन अब मैं ने सीखा है कि आपने हमेशा मेरी परवाह की है। मैं ने यह भी सुना है कि मैं जिस सजा के योग्य था, आप ने खुद पर ले लिया और सूली पर अपनी जान दे दी। अब आप मुझे क्षमा प्रदान करते हैं और दोस्ती भी। धन्यवाद येशु मसीह! कृपया मुझे मेरे द्वारा किए गए गलत कामों के लिए क्षमा करें। आपको और अधिक जानने में मेरी मदद करें,और मुझे जाने का सही रास्ता दिखाएं। आमीन।"

क्या आपने प्रार्थना की?
बहुत खूब !
हर मित्रता की तरह, येशु के साथ हमारी मित्रता को बढ़ाने की आवश्यकता है।
वह आपका सबसे अच्छा दोस्त बनना चाहते हैं।
और वह आपका संचालन करेंगे और आपके जीवन के हर दिन आपकी मदद करेंगे।
तो आप सोचिये कि आप उन्हे कैसे और अच्छे तरीके से जान सकते हैं?
हम अब अलविदा कहने वाले हैं,
हमारे और भी मित्र हैं जिन्हें हम ये सब समझाना चाहते हैं।

बहुत खूब।
आपने अभी-अभी अपने जीवन का सबसे बड़ा साहस भरा कार्य शुरू किया है!

पटकथा: एंडी मीको
कला: मुगी आओयामा
अनुवाद: गीता माधवन

Treasure Hunt Project
www.treasurehuntproject.com

Copyright © 2021 NewDayToDay
Illustrations from Manga Messiah Copyright © 2015 by NEXT Manga
Design & Printing: New Life Ministries Printed in Japan